



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Maharsh Harshadbhai Patel

Donated his : Heart, Kidney & Liver & Eyes

Date:- 10/07/2020

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद, किडनी, लिवर, हृदयान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Farmer's heart now beats in Ahmedabad woman

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 22-year-old brain dead farmer's heart was transplanted into a 35-year-old woman who has been suffering from heart ailment from the past 10 years.

The transplant was done at a Ahmedabad-based hospital on Friday.

Maharsh Patel, 22, a farmer from Saroli village in Choriyasi taluka of Surat district, had met with an accident while returning home from his farm on July 3.

Maharsh's car collided with a truck parked on the roadside. Due to the collision, Maharsh sustained severe injuries and was rushed to the Sardar Smrak hospital in Bardoli.

The doctors at the Bardoli hospital referred him to the INS Hospital in Surat. His CT scan reports showed heavy swelling in the brain and blood clotting.

On July 9, the neurophysician of the INS hospital declared Maharsh brain dead and



Gaurang Joshi

Maharsh (inset) was declared brain dead and his heart was transplanted in the woman from Ahmedabad

contacted the city-based Donate Life NGO for the organ donation.

Nilesh Mandlewala, founder of Donate Life and member of SOTTO said, "This was the first heart transplant in western

India after lockdown. We convinced Maharsh's family members for donating his organs to give new lease of life to other people who are in dire need of transplant."

According to Mandlewala,

a team of doctors from Ahmedabad-based SIMS hospital reached Surat to accept the donation of heart.

The kidneys and liver was donated to the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) in Ahmedabad.

A green corridor was created from the INS hospital to Surat airport covering 13 kilometres with the help of the Surat city police and the heart was transported from Surat to Ahmedabad in a chartered flight.

GREEN CORRIDOR MADE

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

हृदय, किडनी व लिवर दान करके चार जनों को दिया नया जीवन

► सूरत से अहमदाबाद का अंतर 90 मिनट में हृदय कर 35 वर्षीय महिला में हृदय प्रत्यारोपित किया

बीटीटी संवाददाता

सूरत, 10 जुलाई

मार्ग अक्सरात में गंभीर तरीके से घायल हुए 22 वर्षीय युवक को चिकित्सकों ने ब्रेनडेर्ड घोषित किया था। युवक के परिजनों ने उसके अंगों के दान को इच्छा व्यक्त करने पर डोनेट लाइफ संस्था के सहयोग से युवक के हृदय, किडनी व



लिवर दान के बाद इसे अन्य लोगों में प्रत्यारोपित किया गया। इससे चार जनों को नया जीवन मिला है।

सारोली विस्तार का निवासी युवक महर्ष हर्षदभाई पटेल(22) कृषिकाम से जुड़ा था। गत 3 जुलाई को वह रात को आठ बजे कार में घर से युवक के हृदय, किडनी व

रहा था, उस दौरान विहान गाँव के निकट उसकी कार का रास्ते पर खड़े ट्रक के साथ अक्सरात हो गया था। महर्ष को सिर में गंभीर इजा होने से उसे बाराडोली में सरदार स्मारक अस्पताल एवं बाद में सूरत में आईएसएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उपचार के दौरान

चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेर्ड घोषित किया था। उसके परिजनों को मित्रों ने डोनेट लाइफ संस्था के मिलेशभाई माडलेवाला ने महर्ष के माता-पिता एवं परिजनों को अंगदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी थी। पुत्र ब्रेनडेर्ड है, उसकी मृत्यु निश्चित है, उसके अंग से किसी को नया जीवन मिलेगा। इसके लिए महर्ष के परिजनों ने उसके अंगों के दान का निर्णय किया था। अहमदाबाद से सिस्म हॉस्पिटल के डॉ. धवल नालक एवं उनकी टीम ने हृदय का दान स्वीकारा एवं किडनी व लिवर का दान इन्टीट्यूट ऑफ किडनी

हिसोस एण्ड रिसर्च सेन्टर के डॉ. जयाल रिजबी एवं उनकी टीम ने स्वीकारा था। सूरत में अहमदाबाद 290 किमी का अंतर 90 मिनट में तय कर वहां 35 वर्षीय महिला में हृदय का प्रत्यारोपण किया गया। लिवर का प्रत्यारोपण दिलौपभाई देशमुख में तथा किडनी का प्रत्यारोपण दो जरूरतमंद व्यक्तियों में किया गया।

गुजरात में अब तक 33 हृदय का दान हुआ है, जिसमें से सूरत में डोनेट लाइफ द्वारा हृदयदान कराने की यह 27 वां मामला है। इसमें 20 हृदय मूर्च्छा, 4 अहमदाबाद तथा नई दिल्ली, चैनई एवं इंदौर में तीन हृदय प्रत्यारोपित किए गए।

अनलॉक-2 में सूरत से 22 साल के युवक का हृदय अहमदाबाद की महिला में ट्रान्सप्लान्ट

सूरत से अहमदाबाद का 280 किलोग्राम का अंतर 90 मिनट में पुरा किया

लोकतंत्र संवाददाता

सूरत। लोकडाउन के बाद परिवर्ष भारत में हृदयदान और ट्रान्सप्लान्ट को पहली घटना सूरत में थी। 22 वर्ष के महर्ष वा हृदय सूरत से 280 किलोग्राम दूर भारत 90 मिनट में पूर्योग्य अहमदाबाद की गोमती अस्पताल में 35 वर्ष की महिला में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। ब्रेनडेर्ड महर्ष के अंगदान से चार लोगों को नया जीवन मिला।

सारोली का महर्ष हर्षदभाई पटेल उम्र 22 वर्ष तक 3 जुलाई को रात बढ़े विहान गाँव से अपने पांच बीटे रहा था। विहान गाँव के बास रोड सार्ट चर यात्री ट्रक के साथ ट्रुट्टक में पीछे से कार की टक्कर लगने से महर्ष के पिर पांचधे चोट लगे थे। उसे तक्कर बाराडोली सरदार स्मारक अस्पताल में प्रार्थना विकास के बाद सूरत खट्टीदरा पुलिस स्टेशन के पीछे नहर पर



अर्वाचेन्स अस्पताल में भर्ती की गयी थी। न्यूरोसर्जन असेंक पटेल जीवनकोशी में सिटीकेलन करने वाले विमान में यूल जड गद्दा जम गया होने का पाता करने पर महर्ष को 9 जुलाई को ब्रेनडेर्ड घोषित किया। अर्वाचेन्स अस्पताल तथा डोनेटलाइफ की टीम ने महर्ष के पिता को अंगदान की जानकारी दी। परिवार के सदस्य युवा ब्रेनडेर्ड पुरुष के अंगदान की लैश द्वारा दिया गया। परिवार को सम्मान मिलने के बाद महर्ष का हृदय सूरत से 280 किलोग्राम दूर अहमदाबाद

मह 90 मिनट में पूर्योग्य की महिला में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। ब्रेनडेर्ड महर्ष के अंगदान से चार अंग लोगों को नया जीवन प्रदान किया गया। आईएसएस अस्पताल से सूरत एयरपोर्ट तक 13 किलोमीटर का यानवेल कीरीटोर बचाया गया। सूरत से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 27वां हृदय दान किया गया। अपनी तक हाई मूर्च्छा, 4 अहमदाबाद, 1 दिल्ली, 1 चेनै और 1 इंदौर में ट्रान्सप्लान्ट किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद, किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

सूरत से 27वें हृदय का दान, अंगदान से चार को नई जिंदगी

**अहमदाबाद तक ग्रीन
कॉरिडोर बनाया, 90 मिनट
में पहुंचे, खड़ी ट्रक के पीछे
कार टकराने से घायल
हुआ था युवक**

सूरत @ पत्रिका. शहर के सारोली निवासी 22 वर्षीय युवक विहान गांव से कार लेकर घर जा रहा था, तभी सड़क किनारे खड़ी ट्रक के साथ उनकी कार टकरा गई। हादसे में



युवक को गंभीर चोट आई थी। इलाज के दौरान उनको ब्रेनडेंड घोषित कर दिया। परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया।

इसके बाद हृदय, किडनी व लीवर दान से चार जनों को नई जिंदगी मिली है। इसके लिए अहमदाबाद तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 90 मिनट में पहुंचाया गया।

चौरासी तहसील में सारोली गांव खोड़ियार मंदिर के पास कंतेश्वर रो हाउस निवासी मर्हष हर्षद पटेल (22) तीन जुलाई को रात आठ बजे विहान गांव से कार लेकर घर आ रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी ट्रक के साथ पीछे से कार टकरा गई।

मर्हष के सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें बारडोली सरदार स्मारक अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनको सूरत के आइएनएस अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. अशोक पटेल के देखरेख में भर्ती किया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट में दिमाग में रक्त की गांठ और सूजन होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने नौ जुलाई को उसे ब्रेनडेंड घोषित किया। अस्पताल से डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला को सूचना मिली। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और परिजनों को अंगदान के बारे में जानकारी दी। सहमति मिलने के बाद अहमदाबाद की सिम्स अस्पताल के डॉ. धवल नायक और उनकी टीम ने हृदय दान स्वीकार किया। जबकि किडनी व लीवर का दान अहमदाबाद की आइकेडीआरसी के डॉ. जमाल रिजवी ने स्वीकार किया। दान में मिला हृदय 35 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं, लीवर समाज सेवक दिलीप देशमुख (दादा) में अहमदाबाद के आइकेडीआरसी के डॉ. प्रांजल मोदी ने ट्रांसप्लांट किया। किडनी दो जरूरतमंद मरीजों में ट्रांसप्लांट की गई हैं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेंड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ਤਖੀਨੀ ਸਿਹਿ

સરતના 24 વર્ષીય ભેઈન ડેસ યુવકના પરિયારે હદ્ય ડોનેટ કરતા યુવતીને નવજીવન

સુરતના યુવકનું દિલ અમદાવાદની યુવતીમાં ધડક્યું

» કોરોનાના કહેર વચ્ચે રાજ્યનું પહેલું
હાઈ ટ્રાન્સપ્રાન્ટ સિમ્સ હોસ્પિટલમાં કરાયું

અધ્યાત્મરાચ કન્દમણ > ગુણવિદ્યા

■ સુરતમાં અક્ષરશાલા બાદ ૨૪ વર્ણિય પુરુષ ક્રેટાઈન
 ૩૩ થઈ ગયો ત્વારે તેના પરિવર્તે કદમ્બ પ્રેનેર્ટ
 કરવાનું નક્કી કર્યું હતું. ભીજી તરફ અમદાવાહીની
 ૩૪ વર્ણની પુરુષીને કદમ્બની તલ્લીક ઘોણી તેનું
 હાઈ ટ્રાન્સલાન્ડ કર્યું હતે તેમ હતું જેણી લિખાન
 કોસ્પિટલના તલ્લીઓએ સુરતથી પુરસ્કાર કદમ્બ
 અમદાવાહ લાવી પુરુષીમાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરી
 નવજગતન આપ્યું છે. નોયનાય છે, કેવેનાન
 કરેલ વચ્ચે દેશના લગ્જભગે મેળું હાઈ ટ્રાન્સલાન્ડ
 કરવામાં આવ્યાં છે. કે પેઢી ગુજરાતમાં લિખાન
 કોસ્પિટલે એક હાઈ ટ્રાન્સલાન્ડ હતું છે.

अभद्रादमां रहेती पुपतीने हृष्णनी तक्कीक
छोवाथी तेनी सारवार सिल्प छेसिटवामा शाढ़
उरवामां आवी छाई. पुपतीनं हृष्ण मां १५वी



20 ଟଙ୍କା ବାଲୁ ଲୋକାରୀ ତ ମୋତାନୀ କେଉଁ ପରି
କ୍ଷମଗୀରୀ ସରଜାତାରୀ କରି ଶକ୍ତି ନ ହାତି, କେଉଁ ତେଣ
କହୁ ଦ୍ଵାରାନ୍ତାନ୍ତ କରୁଥିଲୁ ପରି ତେମ ଖତ୍ତ, ପରେତ ତେଣ
ପ୍ରେରନ ମଧ୍ୟା ନାହିଁ ନାହିଁ, ଆ ହରମିଳାନ ମୁହାମାନ୍ 24
ବର୍ଷରୀ ମର୍ହର୍ ପଢ଼ିଲାନେ ଅଭ୍ୟକ୍ତା ଥିଲେ ହାତେ ଅନେ
ତେଣ ଲୋକିଟିକେ ପ୍ରେଇନ ୩୩ ଲାଇସର କର୍ଯ୍ୟାଙ୍କ ହାତେ, କେଉଁ
ମୁକୁଳା ପରିଚାର ମୋତାନୀ ମୁଖ୍ୟା ପେଲାଇଁ ଯେତେ
ମୁକୁଳ ଛେଲ୍ପେ ଛେଲ୍ପେ ବୀଜେଣେ (ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳୀ) ବୟାନୀ ଭାବରେ
ଶୁଣି କହୁ ପ୍ରେଇନ କର୍ଯ୍ୟାଙ୍କ ନକ୍ଷି କୁଣ୍ଡ ଏବେ ଖାନାର୍ଥୀ

ગુરુવાત સરકારની જાહેરાતમાં મુજબ હુંટ્યા
ડોલાં કરણાર, તેણારાની કોઈપણ ટેસ્ટ કરવાના
આવ્યા હતા. ઉપરાંત રોપદેશન કરણાર અહેણી
દીમાંના તથીનો સાહિત 35 લોકોના કોરોના
ટેસ્ટ કરવાના હતા. આ તમામના હિપોટ્યુનેટિવ
આવ્યા બાંધ રોપદેશન કરવાના રાખ્યું હતું.
ઉપરાંત રંગ્ઝી દરમિયાન લેવાં 3 પીપાઈ
કોટલો ઉપકોરન કરવાના આવ્યો હતો.



અમદાવાદ લાવામાં આવ્ય અને ટ્રાન્સપોર્ટ પક્કા
કરવામાં આવ્યું છે, લાલ છીને સાર્વ છે અને તેનો
ખત પ્રવાહ સિર છે. સિલ્સ એલિપ્ટિક અત્યાર મુશ્કી
10 સંકળ કરી ટ્રાન્સપોર્ટ કર્યું છે.

અંગધાન | અમદાવાદની મહિલા 10 વર્ષથી હૃદયની તકલીફથી પીડાતી હતી અકસ્માતમાં બ્રેનડેડ યુવકનું હૃદય 280 કિમીનું અંતર 90 મિનિટમાં કાપી મહિલામાં ટ્રાબ્સાલાન્ટ

Digitized by srujanika@gmail.com

સારોવરીમાં રહેતો 22 વર્ષથી યુવકના કદમ, ટિકાની અને વિવરણા દ્વારા પછી ચાર વર્ષાંનેને નવજગતના મળ્યું હતું. તે ઝુલાઈને વર્ષથી હાર્ડલ્યાભર્ડ પેટેલ
(૩, વ. 22, કેટેપ્રદ રો લાંબિં,
આરોલી) વિકાન ગતમાટી
પોતાના પદે જાણા પતસ કરી
દ્વારા કાંતો ત્વારે તારીદ પર (ઉદ્દેશ્ય
દ્વારા રાખે એવી જગત માટેની
માયારા ગંગીરી ઉંઘાણે મળી
મલાર્પ પેટેલ
કાંતો આચારોની સરદાર સારાંદી
ગોલ્ફિટકાંમાં માધ્યમિક લાયકાર આપાં બાદ વિશુદ્ધ
મારાયાર માટે સુરતની INS ગોલ્ફિટકાંમાં ન્યૂઝેલેનન
એ. અસ્કોડ પેટેલની જારાયાર હેઠળ ધ્યાખ ડરાયો
પણ, નિયાન માટે સીટિસ્ટેલેન રિયલિટી
લીલીની નંબો હાંની જીવી હોવાનું અને ઓલો હોવાનું
નિયાન વિશુદ્ધ હતું. તે ઝુલાઈને ન્યૂઝેલેન નંબો
અસ્કોડ પેટેલ, એ. મનાજ સાલ્યાની, એ. કે.રીસ પેટેલ
અને એ. રિયાન પારેન માટેની જેન્સન આંગે કૃપા
થતો, સૈનેટ વાર્કિંગ્ની દીપી ગોલ્ફિટકાંમાં પહોંચી માર્ફતના
પિતાને અંગ્રાન માટે ત્વાર કર્યો કાંત.

ડોક્ટરોએ તુ કલાક 35 મિનિટમાં ઓપરેશન પાર પાડ્યું



परिवारजनों तक लक्षणीय अंगदाननी समझ भवता निवेदा मांगलेखासामें स्टेट ऑर्गेन एन्ड इन्डस्ट्री ट्रॉफ्य आयोडाइटिक्सना कैविनर डी. प्रोफेसर मोहिनो मंडार्क ईडी डिप्लो, विवर अनें कहमाना दान माटे जायावृंथ संतु अभद्रायाहानी स्थिम गोस्टिपेलना डी. पवस नायक अने तमनी टीम आवी कहयनु दान वर्कावृंथ, डिप्लो अने विवरनु दान अभद्रायाहानी इन्फेक्शन्स अंड डिप्लो विवर एन्ड दाना डी. चंद्रा रोडी अने तमनी टीम आवीवृंथ सुखनी ईएस दोस्टिप्लासी अभद्रायाहानी स्थिम गोस्टिपेल सुधार्नु २८० डि. भीन अन्त १० भिन्नासा कापाठे दानाखो मेलेवायामा आवेदा कहयना ३५ वर्षीयासा ३ ३५० अने ३५ गिनीरामा बीकी प्रायिक्य दर्ज था, औरेन याद, डी. पवस नायक अने तमनी टीम द्वारा ६२४०० आवृंथ डि. आ. भिन्नासान १० वर्षीयी कहमानी तरिकी रही।

जीव डोटिकर नलाया थांगे पहांसा दक्षा
अभद्रावा नी लिखा गोपितक हुध पहांसा दक्षा
माटे INS लोकिपेश्वी सुनत भेरपोइ लुपी 13
डीला ना बारंगे जैन गोटीप्रेर अनावावा माटे
सुनत हाथेर पोलिक्सो सुलाह चामोंगे कला,
एष देत डिमाने एंदे लिपद अभद्रावा अनावा
माटे दह डिमाने गारेंग गोटीप्रेर
अनावावा माटे पोलिक्सो सुलाह चामोंगे कला,

ମୁକୁତଳା ୩୩ ହୃଦୟର ପେଂଗ୍ଗା ୨୭ ଶୁରୁତଳୀ
ଶୁରୁତଳୀମାଝୀ ଅଲାପାଦ ସୁଧୀ ୩୩ ହୃଦୟର
ଧାନ ଯଥା ଛେ, କେବ୍ଳ ଶୁରୁତଳୀମାଝୀ ଏଣେଟ
ପାଇଁ ହୃଦୟ କରିବାକାଳୀ ଆ
୨୨୮୫ ବ୍ୟବାଳୀ ଛେ, କେବ୍ଳ କାଳୀ ୨୦୬୫ ମୁଣ୍ଡର୍
୫୫୫୫ ଅମ୍ବଦୀର୍ଘୀ, ୧୬୫୫ ନାହିଁ ଦିଲ୍ଲି,
୧୬୫୫ ଚେପାଇଁ ଅନେ ୧ ହୃଦୟ କୁରୋର ଲାଲୀ
ଦ୍ଵାନ୍ତପାଦକ କିମ୍ବା ନାହିଁ କାଳାନ ଅଧିକ ଛେ ।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

લોકડાઉન પછી પશ્ચિમ ભારતમાં હદ્યદાનની પ્રથમ ઘટના લેઉવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ ખેડૂતે કર્યું અંગદાન.. ચાર વ્યક્તિને નવજીવન

સુરતથી અમદાવાદનું અંતર ૮૦ મિનિટમાં કાપી હદ્ય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

। સુરત ।

સુરતમાં લેઉવા પટેલ સમાજના બેઈનડેડ ખેડૂતના હદ્ય, કિડની અને લિવરના દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. કોવિડ-૧૯ના લોકડાઉન દરમિયાન પશ્ચિમ ભારતમાં હદ્યદાન અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટની આ સૌપ્રથમ ઘટના છે. આમ, સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ હારા ર૭માં હદ્યનું દાન કરાયું હતું.

સુરતના સારોલી ખાતે કંતેશ્વર રોડાઉસમાં રહેતો મહર્ષ હર્ષદભાઈ પટેલ (ઉ.વ.૨૨) વ્યવસાયે ખેડૂત હતો. ગત તા. ઉ ના રોજ રાતે મહર્ષ વિહાણગામથી કરમાં પોતાના ઘરે આવી રહ્યો હતો, ત્યારે ટ્રક સાથે અકસ્માત થતાં મહર્ષને માથામાં ગંભીર ઠીક થઈ હતી, તેને બારડોલી બાદ વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. તથીબી તપાસ દરમિયાન



સિટીસ્કેનમાં તેના મગજમાં લોહીનો ગછો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. દરમિયાન તા. ઈમીએ તેને ન્યૂરોસર્જન સહિતના તથીબોની ટીમે બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યો હતો.

ડોનેટ લાઈફની ટીમે મહર્ષના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું, જેથી તેઓ અંગદાન કરવા સહમત થયા હતા. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું

હતું કે, મહર્ષના અંગદાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. મહર્ષના લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સમાજ સેવક દિલીપભાઈ દેશમુખ (દાદા)માં કરાયું હતું. જ્યારે કિડની બે જરૂરિયાતમંદ દીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી. સુરતથી અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં સુધીનું ૨૮૦ કિમીનું અંતર ૮૦ મિનિટમાં કાપી ઉપ વર્ષીય મહિલામાં હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ યુવાનના અંગદાનથી ચારને નવજીવન સારોલીના ૨૨ વર્ષના યુવાનનું હૃદય ઉપ વર્ષની મહિલામાં ધબકૃતું કરાયું

(પ્રણિનિધિ દારો) સુરતશુક્રવાર
અકસ્માતમાં ગંભીર ઈજા બાદ
સારોલીના લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ

યુવાનનાં હૃદય, કિડની, વિષયાં દાનથી ચાર
વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. સુરત બી
અમદાવાદનું ૨૮૦ ડિ.મીનું અંતર ૬૦

મીનીટમાં જ્રાપાન ઉપ વર્ષીય મહિલામાં
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

પ્રાપ્ત વિગત મુજબ સારોલીમાં
ખોલીયાર મંદિર પાસે કેંદ્રથી રોલાઈસમાં
રહેતો ૨૨ વર્ષીય મહિલાભાઈ પટેલ
જત તા. ઉક્કાને રાતે વિલાનગામથી
પોતાના દરે કરમાં પરત કરતો હતો. ત્યારે
વિલાનગામ નજીક ઊભેલી ટ્રેક સાથે કાર
બટકાતા અકસ્માત સર્જાઓ હતો. જેમાં
તેને ગંભીર ઈજા બધા બારડોલીની
હોસ્પિટલ બાદ સુરતની ખાનગી
હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. જોકે જત
તા. એનીને ત્યાંના ડોક્ટરની ટીમે તેને
બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો. આ અંગે ડોનેટ
લાઈફને જાણ કરતા તેમના પરિવાર અને
સંબંધીને અંગદાન અંગેની જાણકારી આપી
મહત્વ સમજીયું હતું.

તેથી તેમના પરિવારે અંગદાન માટેની
સંમની આપતા અમદાવાદની હોસ્પિટલે
તેમનું હૃદયનું દાન સ્વીકૃત્યું હતું. જ્યારે
અમદાવાદની ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓક કિડની
કીસીસ રીસર્ચ સેન્ટર ડોક્ટરોની ટીમ
સ્વીકૃત્યું હતું.

સુરતથી અમદાવાદની હોસ્પિટલ
સૂચીનું ૨૮૦ ડિ.મીનું અંતર ૬૦
મીનીટમાં કારીમેનું ઉપ વર્ષની મહિલાને
આ હૃદય કાર્ડિયાક સજ્જને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું
હતું. મહિલાને છેલ્લા ૧૦ વર્ષથી હૃદયની
તકાલીક હતી. દાનમાં મળેલું વિવર સમાજ
સેવક હિલીપાઈ દેશમુખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કર્યું હતું. જ્યારે બને કિડની બે
જરૂરીયાતમંદ દર્દીઓ માટે દાન કરવામાં
આવશે.



અમદાવાદ, સુરતથી

અમદાવાદની સિસ્ટ્રોસ્પિટલ ખાતેની હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ટીમના ડિરેક્ટર અને
હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સર્જન ડૉ. પીરેન શાહ હૃદયનું કે ચાર ડોક્ટરોની ટીમ સાથે માત્ર
ઓકસ્માત અને ઉપ મીનિટમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પ્રક્રિયા પૂર્ણ કરાઈ. જેમાં ૬૦ મીનિટ
હાર્ટ લાવવાનો સમય બાદ કરતા બે કલાક જેટલા સમયમાં ઓપરેશન પૂરું કરાયું
હતું. હાલ સુરત અને અમદાવાદ અને કોરોના હોટ સ્પોટ સીટી છે. ન્યારે સુરતથી હાર્ટ
લાવીને અમદાવાદમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટનું ઓપરેશન કરાયું. કોરોના વધ્યે આ પ્રથમ હાર્ટ
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ છે. અને ભારતની જરૂરતરની તાજેતરની નેશનલ ઓર્ગન એન્ડ ટિસ્યુ
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નાઈલ્ઝાઈન મુજબ ઓપરેશન કરાયું છે. આ માટે તમામ ડોક્ટરો
તમજી કલાસ - ૪ સાથેના તમામ સ્ટાન્ડનો કોરોના ટેસ્ટ કરવામાં આવ્યો હતો ઉપરંત
દર્દી અને હાર્ટ ડોનેટ કરનાર બેનેનો પણ ટેસ્ટ કરવામાં આવ્યો હતો અને દર્દીના બનેને
સર્જનાનો પણ ટેસ્ટ કરાયો. અમદાવાદમાં અત્યાર સુધીમાં આ દરમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
ઓપરેશન કરવામાં આવ્યું.

**મહુર્ખ પટેલને અકસ્માત નડતા ગંભીર ઈજા થઈ હતી : માત્ર ૬૦
મિનિટમાં હૃદય સુરતથી અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં પહોંચાડાયું**

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, તિવર, હૃદયાટાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સારોલીના યુવાનને અક્ષરમાતમાં બ્રેઇનડે જહેર કરતાં પરિવારે અંગોનું દાન કર્યું

હૃદય, કિડની અને લીવરનું દાન કરી ચારને નવજીવન અપાયું, સુરતમાંથી 27માં હૃદયનું દાન કરવામાં આવ્યું

સુરત: બારડોલીના વિહાન ગામેથી સારોલી આવી રહેલો યુવાનની કાર ઉભેલી ટ્રક સાથે ધડકાભેર અથડાતા તેને માથામાં ગંભીર ઈજા થતાં તે છ દિવસની સારવાર દરમ્યાન બ્રેઇનડે જહેર કરાયો હતો. જેથી પરિવારે હૃદય, કિડની અને લીવરનું દાન કરી અન્ય ચારને નવજીવન આપ્યું છે.

ચૌર્યાસી તાલુકાના સારોલી ગામે કંતેશ્વર રોડાઉસમાં રહેતો 22 વર્ષિય મહર્ષ હર્ષદભાઈ પટેલ હાલ વ્યવસાયે ખેડૂત હતો. તે ગત તારીખ 3 જુલાઈના રોજ બારડોલીના વિહાન ગામે કામ માટે ગયો હતો. તે રાત્રે 8 કલાકે વિહાન ગામેથી નીકળી ઘરે પરત આવી રહ્યો હતો. તે ગામ નજીક ઉભેલી ટ્રક સાથે અક્ષરમાતે પાછળથી કાર અથડાતા મહર્ષને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ પહોંચી હતી. પરિવારને ઘટનાની જાણ થતા તેઓ મહર્ષને પ્રાથમિક સારવાર માટે બારડોલીની સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા બાદ વધુ સારવાર માટે ઉધનાની ખાનગી

મહર્ષનું હૃદય અમદાવાદની મહિલાના દિલમાં ધબકશે

મહર્ષ પટેલ અક્ષરમાતે બ્રેઇનડે જહેર કરતા પરિવારે તેના હૃદયનું દાન કરવામાં આવતા તેનું હૃદય અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર લેતી 35 વર્ષિય મહિલા દર્દીના દિલમાં ધબકતું થશે. મહિલા દર્દીને 10 વર્ષથી હૃદયની તકલીફ હતી અને તેના હૃદયનું પચ્ચિંગ 15થી 20 ટકા જેટલું થએ ગયું હતું. ડોનેટ લાઇઝ અમદાવાદની ખાનગી હોસ્પિટલના તબીબો સાથે મળી સુરતમથી 280 કિલો મીટરનું અંતર 90 મીનિટમાં કાપીને અમદાવાદ મોકલવામાં આવ્યું હતું.

હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યો હતો. જ્યા સિટીસ્કેન કરાવાતા મગજમાં લોહીનો ગઠો જામી ગયો હોવાનું અને સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. પરંતુ 6 દિવસની વધુ સારવાર દરમ્યાન તબીબોએ તેને બ્રેઇનડે જહેર કર્યો હતો. તબીબોએ ડોનેટ લાઇઝના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાને જાણ કરતા નિલેશભાઈએ પરિવારને ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારે પણ અંગદાનની મંજૂરી આપી દેતા ડોનેટ લાઇઝ દ્વારા હૃદય, બે કિડની અને લીવરનું દાન કર્યું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, તિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

પ્રસૂતિ બાદ હદ્ય નબળું પડી જતાં મહિલા છેલ્લાં 10 વર્ષથી ‘પોસ્ટ પાર્ટમ કાર્ડિયોમાયોપેથી’ ની બીમારીથી પીડાતી હતી

સુરતના યુવાનના હૃદયથી અમદાવાદની મહિલાને નવજીવન મળ્યું

24 વર્ષીય યુવકને માર્ગ અકસ્માત બાદ બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયો હતો, 280 કિમીનું અંતર 90 મિનિટમાં કાપીને હદ્ય અમદાવાદ પહોંચાડાયું

2009-07-16 10:00:00

यार्ट अप्रूवितम् वर्णते योगी 24 वर्षीय
कुलाच-कल्पी अप्रूविती 24 वर्षीय मिलन
वर्षाकाल सम्मुखे, यिन्हें विश्वासी भी कर्त्तव्यी

पैदली विकासों के समर्थक पूर्णो, 3 अप्रृ 33
भिन्नता तथा सार्व व्यवस्थाएँ मृ. ३
कार्य संस्थान निषेध आवश्यक द्वारा अनुचित
प्रयोग की जाती है।

ପିଲା ଶିଳ୍ପିଙ୍କାରୀ ଏବଂ ତୁଳନାକାରୀ ଏବଂ
ଚିତ୍ରକାରୀ ଏବଂ ମଧ୍ୟକାରୀ ଏବଂ ପିଲାକାରୀ

એલાં બે વર્ષથી મહિનાની ખિતિ જગડી હતી. બે મહિના એલાં ટાલાપાણ કરાવવાનું હતું. પણ દોશેલાં કારણે ટાલાં હતું



मध्ये 10.50 विनिर्देश
अभियानात उत्तम असून
उपरांत ती विनिर्देश सहज
प्रवाहात आणला गेला नाही.

ग्रीन कोरिडोर बनावी
संगो पहुँचा द्या।

અગ્રા પણીયાંથી
અમદાવાદ સહિ ખરેખરાની આપી એન્સી

ପରିମାଣରେ ମୁଲ ଅରାକ୍ତ ମୁଖ୍ୟମୁଖ୍ୟ 13
ମଧ୍ୟରେ ଶାରୀରିକ କିମ୍ବା ବନ୍ଦରାଜ୍ୟରେ
ଏହା କିମ୍ବା ବନ୍ଦରାଜ୍ୟରେ ଆହୁ କିମ୍ବା ବନ୍ଦରାଜ୍ୟରେ

ગુજરાત
સુધી

੩੩ ਛਾਟ ਟ੍ਰਾਨਸਪਲਾਨਟ

ପାଇଁ ଯେବେ କୁଳମାନୀ ମନେରେ କହିଲା ତାଙ୍କୁ
ସାଧାରଣ କାହାମାନୀ ନାହିଁ 27ମୀ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ
କାହାମାନୀ 20-୩୫ ମିନିଟ୍‌ରେ 4 ମହିନେରେ

નવી 20 શાખા કુટૂહા, 4 અસ્પાતા,
નવી રિઝિડેન્ચ, 1 કેન્દ્રાલ મેન્ડ 1 નિર્માણ
એન્ડ ટ્રાન્સફર એન્ડ એસ્પેક્ચર કાર્યાલાય. એન્ડ
એન્ડ એન્ડ એન્ડ 365 રિઝિડેન્ચ, 147 રિઝિડ., 7
કિલોમીટર, 27 શાખા, 4 અસ્પાતા મેન્ડ 248
એન્ડ 249 પારી 38 814 અસ્પાતા કાર્યાલાય.

સ્ટાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પહેલાં
કોઈ ના હેડ્ચુન કરાવાયો

त्रिराना टस्ट करावाया

प्राचीन अनें अंग अपने राज्यालय-
परिषद्-19 परिषद्या राज्य वर्तु, तेथाप
प्राचीन देश भवेत्तीने नाही राज्यालय-

पात्र है परमान वह इन्हें बताएं
जाएं अब तु मेरे लाले इन्हें बताएं
इन्हें इन्हें जारी करो मेरे लाले,
निराले भावाले, मेरे
लिये धोयिया, मेरे अधिक पात्र बनो
मियो लाले उपरित रहा हाथ।

દે અડ્યેટમાં હીથે જાને પણીઓએ ખેરનેથી જોકું કરતા હોયાં

સુરતથી ૨૨ વર્ધના યુવકનું ધબુકતું હણ્ય ૨૮૦
કિમી દૂર અમદાવાદની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

संतम दृष्टिम्, सुरा,
१.१० : तोषिष्ठ इन्द्रान्
वेदाग्रन्थ पाणी परिक्षम अस्तमा-
कदयान अने द्रावण्यान्ता-
भोपाल घटना राम आजो के।
इ वर्षाना महाराज् कदय-
सुराती रेत रेत्ति भास्तु अस्त-
मान एत चिन्हाना कर्त्ताने उप-
र्युक्त चिन्हानां अस्तमान्ता-
भीम्य लोहितामां द्रावण्यान्ता-
कर्त्तानो आज्ञा उत्तिरा पटेन-
स्तुकाना न वृन्द चर्पत-
लक्ष्मान्ति पटेन्ना परिवर्ति-
क्षम, उन्नी अने विवरन् द्वान्



સારોલીના મહર્ઘના હદ્ય, કિડની અને લિવરરાનાન કરી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન અપાયું
ગ્રીન કોરીડોરથી હદ્ય અમદાવાદ મોકલાયું,
૧૦ વર્ષથી પીડાતી મહિલાને હદ્ય મળ્યું

કર્ણ પાત્ર અનુભૂતિને નવાજીના
અપી માનવતાની મુખે કલેજના
સપાઈને નવી દિશા આપ્યો છે.

અર્થાત્

પાસે સાઈડ પર ઉભેલી ટ્રક
સાથે અક્ષમાતે પાઇલાથી કાર
અયત્તા મહર્ણે માથામાં ગંબીર
હજાઓ ઘઠી હતી. જેથી તેને
સારવાર માટે તાત્કાલિક ભારદેલીમાં
આવેલ સરદાર સ્મારક હોસ્પિટલમાં
દાખલ કરવામાં આવ્યો હતો.
પ્રાથમિક સારવાર સારવાર આપ્યા
આદ વધુ સારવાર માટે સુરતની
આઈઓનએસ હોસ્પિટલમાં
ન્યૂરોસર્જન ડૉ. અશોક પટેલની
સારવાર હેઠળ દાખલ કરવામાં
આવ્યો. નિદાન માટે સિટીસેન
કરાવતા મળજામાં લોહીનો ગઢ્હો
જામી ગયો હોવાનું અને સોજો
હોવાનું નિદાન થયું હતું.

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૭મા હૃદયનું દાન કોવિડ ૧૯ ના લોકડાઉન પછી પશ્ચિમ ભારતમાં હૃદયદાન અને ટ્રાન્સપલાન્ટની સૌપ્રથમ ઘટના



અમારા પ્રતીનિધિ તરફથી સુરત, તા. ૧૦ : લેઉવા પટેલ સમાજના બેનડેડ મહર્ષ હર્પદભાઈ પટેલના પરિયારે હૃદય, કિડની અને લિવરનું દાન કરી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન બધી, માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી હિસ્સા બતાવી છે. સુરતથી અમદાવાદનું ૨૮૦ ટકા મીનિટમાં કાપોને હૃદયનું ટ્રાન્સપલાન્ટ ઉપર્યુક્ત મહિલામાં અમદાવાદની સિસ્ક્સ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ટ જે મહો રાખ્યું ઉત્થાન અને યુવાનોના ઘણતરમાં મહત્વનું ચોગદાન આપ્યું છે એવા જાણીતા સમાજ સેવક હિલીપભાઈ દેશમુખ (દાદા)માં અમદાવાદની આઇકેડીનારસીમાં

ડૉ. પ્રાંજલ મોદી દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે. બંને કિડની બે જ હરિયાતમંદ દર્દીઓ માં આઇકેડીનારસીમાં કરવામાં આવ્યો.

અમદાવાદની સિસ્ક્સ હોસ્પિટલ હૃદય પહોંચાડવા માટે આઇએનએસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના ૧૫ કી.મી.ના માર્ગને ચીન કોરોડોર બનાવવા માટે સુરત શહેર પોલીસને સહકાર આપ્યો હતો.

ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી ૩૩ હૃદયના દાન થયા છે જેમાં સુરત માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાન કરાવવાની આ સનાવીસમી ઘટના છે, જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૪ અમદાવાદ, ૧ નવી દિલ્હી, ૧ ચેમાઈ અને ૧ છન્દોર ખાતે ટ્રાન્સપલાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 10th July 2020

363

KIDNEY

147

LIVER

7

PANCREAS

27

HEART

4

LUNGS

266

CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Which has given new lease of life &
vision to 749 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."